

## असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग I—सवद । PART I—Section 1

## शीधकार से प्रवासित PUBLISHED BY AUTHORITY

R. 212

नई किल्ती, बृहस्पतिबार, अक्तूबर 14, 1993/आश्विन 22, 1915

No. 212 NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 14, 1993/ASHVINA 22, 1915

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, 17 ग्रगस्त, 1993

सं. 16-2/92-बाग. प्रमा -- कृषि में प्लास्टिक्स के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय समिति का मूल गठन रसायन आर पैट्रोकैमिकल्स विभाग के सघीन 1981 में किया गया था। इस समिति का 1986 तथा फिर से 1989 में पुनर्गठन किया गया। कृषि में प्लास्टिक्स के उपयोग को बढ़ांवा देने के लिये इस समिति को और प्रधिक प्रभावी बनाने तथा उसके प्रयासों को और प्रधिक समन्वत इप से केन्द्रित करने के लिये कृषि में प्लास्टिक्स के उपयोग पर राष्ट्रीय समिति (ग्रंथ के बाद इसे समिति कहकर उल्लिखित किया जायेगा) को कृषि और सहकारिता विभाग के सबीन पुनर्गठित करने का निर्णय लिया गया है:--

<ol> <li>सचिव (कृषि और सहकारिता)</li> </ol>	भ्रष्ट्यस
<ol> <li>महानिदेशक, भारतीय कृषि धनुसंधान परिषद्</li> </ol>	सदस्य
3. सलाहकार (ऋषि), योजनां भाषीय	सदस्य
4. धपर-सचिव, जल संसाधन मंत्रालय	सदस्य

- अध्यक्ष और प्रबन्ध निवेशक, भाई. पी. सी. एल.
- 6. कृषि उत्पादन भ्रायुक्त, सदस्य पंजाब सरकार

सदस्य

EGD. NO. D.L.-33004/93

- 7. कृषि उत्पादन ग्रायुक्त, महाराष्ट्र सरकार सदस्य
- निदेशक (जल प्रौद्योगिकी केन्द्र) सदस्य कृषि इन्जीनियरिंग विभाग, तमिल नावु कृषि विश्वविद्यालय कोयम्बत्रः
- बा. बी. ग्रार. मर्मा, बदस्य मुलपति,
   बा. वाई. एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय,
   बोलन।
- डा. ए. एम. माइकल, सदस्य कुलपति, केरल कृषि विश्वविद्यालय, तिचूर
- 11. नाबार्ड का प्रतिनिधि सदस्य

2321 GI/93

12. श्री सतवंत कपूर, लाजपत नगर, धबोहर, फिरोजपुर जिला, पंजाब । सदस्य

यह भी आदेश दिया जाता है कि ग्राम सूचना के लिये इस संकल्प की भारत के राजपन में प्रकाशित किया जाए।

जी एल . कौल, बागवानी भायुक्त

13. भी एम. एस. खनुजा,

सदस्य

MINISTRY OF AGRICULTURE (Department of Agriculture and Co-operation)

RESOLUTION

New Delhi, the 17th August, 1993

घट्यक्ष. जिला खारगीने, भारतीय किसान संघ, नुसन भगर, डाकथर जिला खारगीने, मध्य प्रदेश ।

मदस्य मचित्र

14. बागवानी भायुक्त, कृषि और सहकारिता विभाग

2. इस समिति के विचारायें विषय इस प्रकार हैं:-

- (1) उपलब्ध जलसंसाधनों के उपयोग की धनुकूलतम बनाने के विशेष संदर्भ में कृषि को उत्पादकता बढ़ाने, उत्पाद को स्वालिटी सुधारने और कटाई उपरांत हानि को कम करने के लिये कृषि में प्लास्टिक्स के उपयोग के लिय योजनाएं तैयार करना,
- (2) कृषि में प्लास्टिक्स के उपयोग की बढ़ाने के लिए राजस्व मीति. राजसहायता, किसानों के लिय सहायता भाषि जैसे उपयुक्त नीतिगत उपाय संस्तृत करना।
- (3) टपका सिचाई पद्धतियों, हर-जगहों, मलिंग, पैकेजिंग भादि के विश्लेष संदर्भ में प्लास्टिक से बनी विभिन्न वस्तुओं के उपयौग को श्रधिकाधिक प्रवारित करने और प्रपनाने के लिय कार्य-मीतिया सुझाना ।
- (4) कृषि, जल प्रबन्ध भादि में प्रयुक्त प्लास्टिक्स के लिये क्वालिटी संबंधी मानक निर्धारित करने हेतु सहायतार्थं डाटा बेस तैयार-करने के वास्ते अनुसंघान और विकास के संवर्धन की व्यवस्था
- (5) प्लास्टिक संवर्धन (प्लास्टिकल्चर) जिला कार्यक्रम और विशेषकर ष्लास्टिक संवर्धन विकास केन्द्रों और सामान्य रूप से प्लास्टिक संबर्धन केन्द्रों के समग्र विकास के कार्यान्वयन का प्रभावशाली डंग से पर्यवेक्षण और प्रवोधन करना।
- (6) देश में प्लास्टिक के संवर्धन से संबंधित कोई भी ग्रन्य विषय।
- 3. प्रारंभ में समिति का कार्यकाल तीन वर्ष की अवधि के लिये होगा। गैर सरकारी सदस्यों का कार्यकाल राष्ट्रपति की इच्छा पर निर्भर होगा। समिति की शावश्यकता होने पर अन्सर लेकिन साल में कम से कम को बार बैठक होगी। समिति वार्षिक प्राधार पर सरकार को प्रपनी रिपोर्ट अस्तुस करेगी।
- समिति के लिये अपेक्षित सचिवालयी सहायता इंडियन पैट्रो-**डीमकल्स** लिमिटेड से लिये गयें कॉमिकों से युक्त केन्द्रीय समन्वयन सेल द्वारा की जाती रहेगी।
- 5. समिति के कार्यों के लिये की गई याताओं के संबंध में कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और गैर सरकारी सदस्यों के यादा भतों/ संहगाई भत्तों के व्यय की पूर्ति समिति को दिये गये धन में से की आयेगी। धन्य पदेन सदस्यों के संबंध में तदनुरूपी व्यय का बहुन उनके संबंधित विभागों द्वारा किया जायेगा।
- 6. सरकार, यदि भावश्यकता हो तो समिति की संरचना और विचाराये विषयों, पादि में उचित परिवर्तन कर सकती है।

## धादेश

**धादेश** दिया जाता है कि यह संकल्प सभी राज्य सरकारों, संग्रजासिक ब्रेंब के प्रशासनों, लोक सभा और राज्य सभा समिवालय तथा भारत सरकार के धन्य संबंधित मंद्रालयों और विभागों को मेजा जाए ।

No. 16-2/92-HA.—The National Committee on Use of Plastics in Agriculture (NCPA) was originally set up under the Department of Chemicals & Petrochemicals in 1981. The Committee was reconstituted in 1986 and again in 1989. In order to make this Committee more effective and to focus its endeavours in a more coordinated manner for promoting the use of plastics in agriculture, it has been decided to reconstitute the National Committee on Use of Plastics in Agriculture (hereinafter referred to as the Committee) under the Deptt. of Agriculture & Cooperation, as under:

Secretary (Agri. & Coop.)

Chairman'

Director General, Indian Council of Agricultural Research.

Member

- Adviser (Agriculture) Planning Commission Member
- 4. Additional Secretary, Ministry Water Resources

Member

Chairman and Managing Director, Indian Petrochemicals Ltd.

Member

Agriculture Production Commissioner Govt. of Puniab.

Member

Agriculture Production Commissioner Govt. of Maharashtra.

Member

Director (Water Technology Centre) Deptt. of Agricultural Engineering Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore.

Member

Dr. B. R. Sharma, Vice Chancellor, Dr. Y. S. Parmar University of Horticulture & Forestry Solan.

Member

Dr. A. M. Michael, Vice Chancellor, Kerala Agricultural University, Trichur.

Representative of NABARD 11.

Member Member

Sh. Satwant Kapoor, Lajpat Nagar, Abohar, Ferozepur Distt., Punjab.

Member

Sh. M. S. Khanuja, President, Khargone Distt. B.K.S., Nutan Nagar, Post/Distt. Khargone, Madhya Pradesh

Member

- 14. Horticulture Commissioner, DAC Member Secy.
- 2. The terms of reference of the Committee would be as under :
  - (i) To prepare plans for use of plastics in agriculture with a view to increase agricultural productivity with special reference to optimising the use of available water resources, improving quality of the product. and reducing post harvest losses.
  - (ii) To recommend suitable policy measures such as fiscal policy subsidy, assistance to farmers etc. for promotion on use of plastics in agriculture.
  - (iii) To suggest strategies for propagation and increased adoption of various plasticulture applications with special reference to drip irrigation systems, green houses, mulching packaging, etc.
  - (iv) To arrange promotion of Research and Development to build data base, to assist in prescribing quality standards for plastics used in agriculture, water management, etc.

- (v) To supervise and monitor effectively the implementation of Plasticulture Distt. Programme (PDP) and Plasticulture Development Centres (PDC) in particular and overall development of plasticulture in general.
- (vi) Any other matter connected with promotion of plasticulture in the country.
- 3. The term of the Committee will initially be for a period of three years. The non-official members shall hold office during the pleasure of the President. The Committee shall meet as often as necessary but at least twice in a year. The Committee shall submit its reports to the Government on annual basis.
- 4. The Secretarial assistance required for the Committee will continue to be provided by the Central Coordination Cell consisting of personnel drawn from the Indian Petrochemicals Ltd.
- 5. The expenditure on TA/DA of the Vice-chancellors of Agricultural Universities and the non-cofficial members in con-

nection with the journeys undertaken on Committee's business will be met out of the funds allocated for the Committee. The corresponding expenditure in respect of other ex-officio members will be borne by their respective Departments.

6. The Government may make suitable changes in the composition and the terms of reference, etc. of the committee if required.

## ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territories Administrations, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats and the concerned Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

G. L. KAUL, Horticulture Commissioner